नोट -

1. नवीन छात्रों की उच्चारण शुद्धि हेतु अमरकोष पढ़ाएँ (समयानुसार)।
2. वेदमन्त्रों की अक्षुण्ण परम्परा को बनाए रखने हेतु प्रत्येक छात्र का उच्चारण एवं स्वर शुद्ध हो इसका विशेष ध्यान रखते हुए छात्रों को उच्चारण स्थान इत्यादि से परिचित कराये।
3. नवीन छात्रों से उनका गोत्र, शाखा इत्यादि ज्ञात कर उसको स्वशाखाध्ययन कराने का प्रयत्न करें।
4. प्रत्येक वर्ष के पाठ्यक्रम का गुरुमुख से सम्पूर्ण अध्यापन एवं स्वाध्याय पूर्वक कण्ठस्थीकरण उसी वर्ष में पूर्ण करना अनिवार्य है।
5. छात्रों को परम्परागत सस्वर अध्ययन पद्धति से ही वेद अध्यापन कराना अनिवार्य है। जैसे -

   16 सन्था पद्धति

   अथवा

   10 पाठ

   10 वल्लि/दशावृत्ति/सन्था
6. प्रत्येक माह के अन्त में (पढाये गए विषयों की) मासिक परीक्षा कर छात्रों के कण्ठस्थीकरण, उच्चारण आदि की स्थिति का अवलोकन करें। यदि न्यूनता हो तो पूर्ण करें।
7. छात्रों की उच्चारण शुद्धि एवं ज्ञानवर्धन के लिए प्रतिदिन प्रातः एवं सायं सन्ध्या के पश्चात् विष्णुसहस्त्रनाम, महिषासुरमर्दिनी स्तोत्रम्, दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम्, अन्नपूर्णास्तोत्रम्, भजगोविन्दम्, प्रज्ञाविवर्धनस्तोत्रम्, रामरक्षास्तोत्रम् इत्यादि स्तोत्रों का समयानुसार अभ्यास एवं पाठ करें, जिससे भारतीय परम्परा में श्रद्धा एवं उत्साह बना रहें।
8. गतवर्षों का पाठ्यक्रम छात्र को कण्ठस्थ है या नहीं ज्ञात करने हेतु परीक्षण (Assessment) किया जाएगा।
9. परीक्षक को विगत सभी वर्षों के पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछने का पूर्ण अधिकार होगा।
10. सस्वर वेदाध्ययन करने वालों की संख्या शनैः शनैः क्षीण हो रही है। अतः श्रद्धावान्, मेधावान् एवं दार्ढ्य बुद्धि वाले छात्रों की वेदाध्ययन में रुचि उत्पन्न करने हेतु आवश्यक प्रयत्न करना।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद कौथुम शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)					
सन्ध्यावन्दन - अग्निकार्य, भोजन विधि। प्रकृतिगान प्रथम प्रपाठक। पूर्वार्चिक प्रथम, द्वितीय प्रपाठक। नारदीया शिक्षा - प्रथम प्रपाठक।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	सन्ध्यावन्दन अग्निकार्य भोजनविधि		10	प्रत्येक पाठ्यक्रम बिन्दु को एकादश सन्था दें और एकादश तिरुवै (दशावृत्ति) करायें। दशावृत्तिपूर्वक कण्ठस्थ पाठ की नित्य आवृत्ति करें।
2	द्वितीय माह	नारदीय शिक्षा प्रथम प्रपाठक	127 श्लोक	10	
3	तृतीय माह	पूर्वार्चिक - प्रथम प्रपाठक प्रथम अर्ध	42	10	
4	चतुर्थ माह	प्रकृतिगान - गायत्रम् (ऋक् गान) ओग्नाइ से, प्रेष्ठंवोहाउ	13	10	
5	पञ्चम माह	पूर्वार्चिक - प्रथम प्रपाठक द्वितीय अर्ध	48	10	
6	षष्ठ माह	प्रकृतिगान - प्रथम प्रपाठक 'त्वन्नोया' से 'प्रतित्याञ्चारूमध्वराम्'	16	10	
7	सप्तम माह	पूर्वार्चिक - द्वितीय प्रपाठक प्रथम अर्ध	49	10	
8	अष्टम माह	प्रकृतिगान - प्रथम प्रपाठक 'आश्वा' से 'नित्वा'	18	10	
9	नवम माह	पूर्वार्चिक - द्वितीय प्रपाठक द्वितीय अर्ध	40	10	
10	दशम माह	प्रकृति गान - प्रथम प्रपाठक 'अग्निर्मूद्धादी' से प्रपाठकान्त	25	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			साम - 72 ऋक् - 179	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद कौथुम शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)					
ब्रह्मयज्ञ। नारदीय शिक्षा - द्वितीय प्रपाठक। पूर्वार्चिक - तृतीय से षष्ठ प्रपाठक। प्रकृतिगान - द्वितीय से पञ्चम (एकसामि पूर्ण) प्रपाठक पर्यन्त।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	नारदीय शिक्षा द्वितीय प्रपाठक ब्रह्म यज्ञ	116 श्लोक	10	प्रत्येक पाठ्यक्रम बिन्दु को एकादश सन्था दें और एकादश तिरुवै (दशावृत्ति) करायें। दशावृत्तिपूर्वक कण्ठस्थ पाठ की नित्य आवृत्ति करें।
2	द्वितीय माह	प्रकृतिगान द्वितीय प्रपाठक प्रथम अर्ध	40	10	
3	तृतीय माह	प्रकृतिगान द्वितीय प्रपाठक द्वितीय अर्ध	31	10	
4	चतुर्थ माह	पूर्वार्चिक तृतीय प्रपाठक प्रथम - द्वितीय अर्ध	99	10	
5	पञ्चम माह	पूर्वार्चिक चतुर्थ प्रपाठक प्रथम - द्वितीय अर्ध	98	10	
6	षष्ठ माह	प्रकृतिगान तृतीय प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 39 31	10	
7	सप्तम माह	पूर्वार्चिक पञ्चम प्रपाठक प्रथम - द्वितीय अर्ध	96	10	
8	अष्टम माह	प्रकृतिगान चतुर्थ प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 34 36	10	
9	नवम माह	पूर्वार्चिक षष्ठ प्रपाठक द्वितीय अर्ध - 9 खण्ड	99	10	
10	दशम माह	प्रकृतिगान पञ्चम प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध एकसामि समाप्ति	 35 35 25	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			साम - 306 ऋक् - 392	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
सामवेद कौथुम शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)					
आर्चिक - आरण्यक, महानाम्नी । उत्तरार्चिक - तृतीय प्रपाठक पर्यन्त (षष्ठ अध्याय पर्यन्त) । प्रकृतिगान - षष्ठ प्रपाठक (बृहती) से एकादश प्रपाठक (हाउस्वरता) ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	प्रकृतिगान षष्ठ प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 15 35	10	प्रत्येक पाठ्यक्रम बिन्दु को एकादश सन्था दें और एकादश तिरुवै (दशावृत्ति) करायें। दशावृत्तिपूर्वक कण्ठस्थ पाठ की नित्य आवृत्ति करें।
2	द्वितीय माह	प्रकृतिगान सप्तम प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 33 36	10	
3	तृतीय माह	पूर्वार्चिक - आरण्यक महानाम्नी	65	10	
4	चतुर्थ माह	उत्तरार्चिक प्रथम प्रपाठक प्रथम अध्याय द्वितीय अध्याय	 62 62	10	
5	पञ्चम माह	प्रकृतिगान अष्टम प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 36 34	10	
6	षष्ठ माह	उत्तरार्चिक द्वितीय प्रपाठक तृतीय अध्याय चतुर्थ अध्याय	 55 56	10	
7	सप्तम माह	प्रकृतिगान नवम प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 31 35	10	
8	अष्टम माह	प्रकृतिगान दशम प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 34 35	10	
9	नवम माह	उत्तरार्चिक तृतीय प्रपाठक पञ्चम अध्याय षष्ठ अध्याय	 69 76	10	
10	दशम माह	प्रकृतिगान एकादश प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 36 38	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			साम - 358 ऋक् - 445	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद कौथुम शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)					
(१) उत्तरार्चिक चतुर्थ प्रपाठक से षष्ठ प्रपाठक पर्यन्त (त्रयोदश अध्याय पर्यन्त) । (२) प्रकृतिगान द्वादश से सप्तदश प्रपाठक पर्यन्त (पवमान पर्यन्त) । (३) छान्दोग्य मन्त्रब्राह्मण प्रथम प्रपाठक ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	प्रकृतिगान द्वादश प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितिय अर्ध	 42 31	10	प्रत्येक पाठ्यक्रम बिन्दु को एकादश सन्था दें और एकादश तिरुवै (दशावृत्ति) करायें। दशावृत्तिपूर्वक कण्ठस्थ पाठ की नित्य आवृत्ति करें।
2	द्वितीय माह	उत्तरार्चिक चतुर्थ प्रपाठक सप्तम अध्याय अष्टम अध्याय	 85 59	10	
3	तृतीय माह	प्रकृतिगान त्रयोदश प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 38 35	10	
4	चतुर्थ माह	उत्तरार्चिक पञ्चम प्रपाठक नवम अध्याय दशम अध्याय	 78 94	10	
5	पञ्चम माह	प्रकृतिगान चतुर्दश प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितिय अर्ध	 36 30	10	
6	षष्ठ माह	प्रकृतिगान पञ्चदश प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 36 30	10	
7	सप्तम माह	प्रकृतिगान षोडश प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 39 35	10	

8	अष्टम माह	उत्तरार्चिक षष्ठ प्रपाठक एकादश अध्याय द्वादश अध्याय	 32 56	10	
9	नवम माह	उत्तरार्चिक षष्ठ प्रपाठक त्रयोदश अध्याय छान्दोग्य मन्त्रब्राह्मण प्रथम प्रपाठक	 54 136	10	
10	दशम माह	प्रकृतिगान सप्तदश प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 39 35	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			साम् - 426 ऋक् - 458 छा.ब्राह्मण - 136		

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद कौथुम शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)					
(१) उत्तरार्चिक सप्त प्रपाठक से नवम प्रपाठक पर्यन्त (समाप्ति पर्यन्त) । (२) महानाम्नी पर्व (गान) (३) आरण्यक पर्व सम्पूर्ण (गान)। (४) छान्दोग्य मन्त्र ब्राह्मण द्वितीय प्रपाठक ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	आरण्यक गान प्रथम प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 27 28	10	प्रत्येक पाठ्यक्रम बिन्दु को एकादश सन्था दें और एकादश तिरुवै (दशावृत्ति) करायें। दशावृत्तिपूर्वक कण्ठस्थ पाठ की नित्य आवृत्ति करें।
2	द्वितीय माह	उत्तरार्चिक सप्तम प्रपाठक चतुर्दश अध्याय पञ्चदश अध्याय षोडश अध्याय	 46 38 44	10	
3	तृतीय माह	आरण्यक गान द्वितीय प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 34 22	10	
4	चतुर्थ माह	उत्तरार्चिक अष्टम प्रपाठक सप्तदश अध्याय अष्टादश अध्याय एकोनविंश अध्याय	 40 54 54	10	
5	पञ्चम माह	आरण्यक गान तृतीय प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 30 25	10	
6	षष्ठ माह	आरण्यक गान चतुर्थ प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 20 20	10	

7	सप्तम माह	आरण्यक गान पञ्चम प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 22 22	10	
8	अष्टम माह	उत्तरार्चिक नवम प्रपाठक विंश अध्याय 1 विंश अध्याय 2 एकविंश अध्याय	 51 33 27	10	
9	नवम माह	आरण्यक गान षष्ठ प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 19 21	10	
10	दशम माह	महानाम्नी पर्व छान्दोग्य मन्त्रब्राह्मण द्वितीय प्रपाठक	5 125	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			साम - 295 ऋक् - 387 छा.ब्राह्मण - 125	100 अंक	